एम.पी.ए.-039

# आपदा जोखिम न्यूनीकरण और प्रबंधन में स्नातकोत्तर डिप्लोमा (पी.जी.डी.डी.आर.आर.एम.)

## सत्रीय कार्य

जुलाई 2025 और जनवरी 2026 सत्रों में
नामांकित छात्रों के लिए

कोर्स कोडः एम.पी.ए. 039
स्वास्थ्य आपात स्थिति और आपदा प्रबंधन

सामाजिक विज्ञान विधापीठ
इंदिरा गांधी राष्ट्रीय मुक्त विश्वविद्यालय
मैदान गढ़ी, नई दिल्ली–110068

प्रिय विधार्थी,

जैसा कि हमने आपको कार्यक्रम मार्गदर्शिका में सूचित किया है, इग्नू में मूल्यांकन दो भागों में होता हैः i) सत्रीय कार्य के माध्यम से सतत् मूल्यांकन, और ii) सत्रांत परीक्षा। अंतिम परिणाम में, पाठ्यक्रम केसत्रीय कार्य का 30 प्रतिशत भारांक होता है, जबकि 70 प्रतिशत भारांक सत्रांत परीक्षा के लिए दिया जाता है।

आपको चार क्रेडिट के पाठ्यक्रम के लिए एक शिक्षक अंकित सत्रीय कार्य (टीएमए) करना होगा। यह पाठ्यक्रम,**"स्वास्थ्य आपात स्थिति और आपदा प्रबंधन"(एम.पी.ए. 039),** चार क्रेडिट कापाठ्यक्रम है। इस सत्रीय कार्य में एक टीएमए है, जिसके कुल अंक 100 हैं और इसका 30 प्रतिशत भारांक होता है।

सत्रीय कार्य का प्रयास करने से पहले कृपया कार्यक्रम मार्गदर्शिका में दी गई निर्देशों को ध्यानपूर्वक पढ़ें। यह आवश्यक है कि आप टीएमए में पूछे गए सभी प्रश्नों का प्रयास करें और उत्तर अपने शब्दों में लिखें। आपके उत्तर एक निश्चित प्रश्न के लिए निर्धारित शब्द सीमा के भीतर होने चाहिए। ध्यान रखें किसत्रीय कार्य प्रश्नों के उत्तर लिखने से आपकी लेखन क्षमता में सुधार होगा और यह आपको सत्रांत परीक्षा के लिए तैयार करेगा।

जैसा कि कार्यक्रम मार्गदर्शिका में बताया गया है, आपको सत्रांत परीक्षा में उपस्थित होने के लिए निर्धारित समय के भीतर सभी सत्रीय कार्य जमा करने होंगे।

**सत्रीय कार्य (असाइनमेंट) जमा करने की प्रक्रियाः**

| प्रवेश सत्र | जमा करने की अंतिम तिथि | जमा करने का स्थान |
|---|---|---|
| **जुलाई 2025 सत्र में नामांकित विधार्थी** | **31 मार्च 2026** | **विधार्थी के अध्ययन केंद्र के समन्वयक के पास** |
| **जनवरी 2026 सत्र में नामांकित विधार्थी** | **30 सितम्बर 2026** | |

आपको जमा किए गएसत्रीय कार्य की रसीद अध्ययन केंद्र से प्राप्त करनी होगी और इसे सुरक्षित रखना चाहिए। यदि संभव हो, तोसत्रीय कार्य की एक फोटो कॉपी अपने पास रखें।

अध्ययन केंद्र कोसत्रीय कार्य का मूल्यांकन करने के बाद आपको सत्रीय कार्यवापस करना होगा। कृपया इस पर जोर दें। अध्ययन केंद्र को अंकों को इग्नू, नई दिल्ली के छात्र मूल्यांकन प्रभाग में भेजना होता है।

हम आपसे अपेक्षा करते हैं कि आप प्रत्येक प्रश्न का उत्तर सत्रीय कार्य में दिए गए दिशानिर्देशों के अनुसार दें। आपको निम्नलिखित बिंदुओं को ध्यान में रखना उपयोगी होगाः

1) **योजनाः** सत्रीय कार्यमें पूछे गए प्रश्नों को ध्यान से पढ़ें, और उन इकाइयों को देखें जिन पर वे आधारित हैं। प्रत्येक प्रश्न के बारे में कुछ बिंदु बनाएं, और फिर उन्हें तार्किक क्रम में व्यवस्थित करें।

2) **संगठनः** उत्तर की प्राथमिक रूपरेखा बनाने से पहले थोड़ा चयनात्मक और विश्लेषणात्मक रहें। विशेषतः भूमिका और निष्कर्ष पर पर्याप्त ध्यान दें। यह सुनिश्चित करें कि आपका उत्तरः

- तार्किक और संगत हो;
- वाक्यों और अनुच्छेदों के बीच स्पष्ट संबंध हो, और
- उत्तर सही ढंग से लिखा गया हो, जिसमें आपकी अभिव्यक्ति, शैली और प्रस्तुति पर्याप्त हो।

3) **प्रस्तुतिः** जब आप अपने उत्तर से संतुष्ट हों तो अंतिम संस्करण को प्रस्तुत करने के लिए साफ–सुथरे ढंग से लिखें और जिन बिंदुओं पर आप जोर देना चाहते हैं उन्हें रेखांकित कीजिए। यह सुनिश्चित करें कि उत्तर निर्धारित शब्द–सीमा के भीतर हो।

**आपको शुभकामनाएं!**

**कार्यक्रम समन्वयक**
**लोक प्रशासन संकाय**
**सामाजिक विज्ञान विधापीठ, इग्नू, नई दिल्ली**

# एमपीए–039: स्वास्थ्य आपात स्थिति और आपदा प्रबंधन

**पाठ्यक्रम कोडः एमपीए–039**
**सत्रीय कार्यकोड : ए.एस.टी./टी.एम.ए./2025–2026**
**अंकः 100**

**यह सत्रीय कार्य भाग–I और भाग–II में विभाजित है। प्रत्येक भाग में पांच प्रश्न हैं। आपको सभी प्रश्नों का उत्तर लगभग 400 शब्दों में देना है। सभी प्रश्नों के उत्तर दीजिये. प्रत्येक प्रश्न के 10 अंक हैं।**

## भाग–I

1. ग्रामीण स्वास्थ्य देखभाल प्रणाली के मुद्दे और चुनौतियों की जाँच कीजिए। 10
2. भारत में शहरी स्वास्थ्य और संरचना का सुधार करने के लिए उपायों का वर्णन कीजिए। 10
3. आपातकालीन प्रतिक्रिया में स्वास्थ्य प्रबंधन सूचना प्रणाली के एकीकरण पर एक टिप्पणी लिखिए। 10
4. 'सामूहिक हताहत घटनाओं के लिए तैयारी हेतु सावधान–पूर्वक योजना एवं प्रभावी परीक्षण की आवश्यकता होती है'। टिप्पणी कीजिए। 10
5. पुर्नवास को परिभाषित कीजिए तथा स्वास्थ्य आपदा स्थितियों में पुर्नवास के सिद्धांतों को उजागर कीजिए। 10

## भाग–II

6. आपदा स्थितियों में लॉजिस्टिक प्रबंधन के मुख्य विचारों की संक्षिप्त में व्याख्या कीजिए। 10
7. अभिघातजन्य तनाव के बाद उत्पन्न विकार के प्रबंध पर एक टिप्पणी लिखिए। 10
8. 'संक्रामक रोगों के जोखिम को कम करने के लिए एक व्यापक दृष्टिकोण की आवश्यकता होती है' स्पष्ट कीजिए। 10
9. आपदा प्रबंधन के लिए जल स्वच्छता एवं स्वास्थ्यकारिता के महत्व की चर्चा कीजिए साथ ही दोनों के बीच संबंध को रेखांकित कीजिए। 10
10. संचारी रोगों की अवधारणा को उजागर कीजिए तथा रोग नियंत्रण के सिद्धांतों की चर्चा कीजिए। 10